Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-6

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Online – 06.08.2023 **UPSC Roll No.: 6307371**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A	1	50
Section-B	2	60
(Grand Total)	2	110

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

प्रिय विद्यार्थी :-

→ निबंध की विषय वस्तु अच्छी है।

→ निबंध में आकृतियों एवं उदाहरणों का और प्रयोग करें।

→ निबंध में विविध पक्षों को शामिल करें।

→ निबंध में तारतम्यता एवं निरन्तरता और बेहतर बनाने का प्रयास करें।

→ निबंध की परिचय दक्षता एवं निष्कर्ष दक्षता और बेहतर हो सकती है।

→ भाषा शैली और बेहतर हो सकती है।

→ प्रयास और प्रभावी बनाएँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(Please do not write anything except the question number is this space) कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

③

मुद्दे न्याय की गुहार नहीं लगा सकते, उनके लिए ऐसा करना जीवितों का कर्तव्य है।

हमारे पारम्परिक समाज में पुरुष एवं महिला को ही मान्यता दी गयी थी। LGBTQ समुदाय प्रारम्भ से ही उपेक्षित रहा है। इन्हें सामाजिक अधिकार, राष्ट्रीय मूल अधिकार एवं मानवाधिकार तक की सुनिश्चितता के लिए अनवरत प्रयास करने पड़े हैं।

NALSA बनाम भारत संघ मामले के द्वारा इन्हें तृतीय लिंग के रूप में मान्यता मिली तो नवतेज जौहर के ऐतिहासिक मामले में धारा 377 IPC के उस प्रावधान को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया जो कि समलैंगिक सम्बन्धों को अवैध मानता था।

यदि इस समुदाय के कुछ लोग सामने आकर न्याय एवं अधिकारों की गुहार नहीं लगाते तो शायद इन्हें आने वाले अनेक वर्षों तक असमानता, उत्पीड़न एवं शोषण का शिकार बनना पड़ता। अतः अपना कर्तव्य स्मरण करने वाले लोगों ने सम्पूर्ण समाज में न्याय सुनिश्चित करवाया।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

दक्षिणी भारत में अंग्रेजों के 1882 के वन कानून के कारण वन-वासियों की जमीन पर मनमाना नियंत्रण किया जाने लगा। 1920 की सदी में अल्लूरी सीताराम राजू एवं कोमाराम भीम के नेतृत्व में अपनी आवाज उठाकर अपने अधिकारों की माँग की। यह विद्रोह रम्पा-विद्रोह के नाम से जाना गया जिससे ऑस्कर प्राप्त RRR फिल्म में दर्शाया गया है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम क्रांति 1857 में मानी जाती है किन्तु 1817 में बख्शी जगबंधु के नेतृत्व में पाइका विद्रोह ने भी अंग्रेजों की जड़ें हिलाने का कार्य किया था।

पाइका विद्रोह में लोगों की आवाज उठाने पर जगबंधु को अंग्रेजों द्वारा फाँसी पर लटकाकर चौराहे पर टाँग दिया गया था। इस विद्रोह से यह तो परिलक्षित हो जाता है कि अपने अधिकार एवं न्याय की रक्षा के लिए वही व्यक्ति सदैव सम्मुख खड़ा होने की चेष्टा करता है जिसका जमीर जिन्दा हो अन्यथा तो मानव होने का कोई अर्थ कदापि नहीं है।

भारत का जनजातीय समुदाय अपनी विशेष संस्कृति, मुख्यधारा से भिन्नता के कारण जाना जाता है। यह समुदाय आज बुनियादी ढाँचे की कमी यथा - शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। इनकी मुख्य समस्या इनकी जमीन का अधिग्रहण है।

भारतीय सरकार ने यहाँ अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाने का प्रयत्न किया है ताकि अनुसूचित जनजाति समुदाय, PVTG (सेंटनलीज, जारवा आदि) एवं विमुक्त, घुमंतू, अर्द्ध-घुमंतू जातियों (जैसे- कंजर, पारधी आदि) के लिए भी समान सुविधाओं की व्यवस्था हो सकती है। जैसे- SEED योजना, एकलव्य रेजीडेंशियल स्कूल।

UCC (समान नागरिक संहिता) के बढ़ते चर्चाशील मुद्दे पर ओरॉव (झारखण्ड) जनजाति की पहन प्रथा पर खतरा सम्भव है जिसका निवारण करने के लिए विवेकशील, ज्ञानवान एवं सुसंस्कृत मुख्य भूमि समाज को प्रयास करना पड़ेगा ताकि जनजातीय संस्कृति का विनाश भी ना हो एवं भारत की विविधता में एकता की प्रवृत्ति अक्षुण्ण बनी रहे।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मुस्लिम, सिख, जैन, बौद्ध जैसे धार्मिक समुदाय भारत में अल्पसंख्यक समुदाय की स्थिति में हैं जिनके लिए भारतीय संविधान निर्माताओं ने पहले से ही धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अनु. 25-28 के द्वारा किया हैं।

महिलाओं के लिए न्याय को सुनिश्चित करने का कार्य आज महिलाएं ही आगे बढ़कर कर रही हैं। जैसे - राष्ट्रपति के रूप में प्रतिभा पाटिल एवं द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री के रूप में जयललिता से लेकर ममता बनर्जी तक के प्रयास समावेशी सामाजिक न्याय का खाका पेश करते हैं।

दिव्यांगजनों, बच्चों एवं वृद्धों को भी संवेदनशील वर्ग मानकर समय-समय पर अनेक योजनाओं द्वारा लाभान्वित करने की कोशिश की जा रही है। जैसे - दिव्यांगजनों के लिए सुगम्य भारत अभियान, बच्चों की सुरक्षा के लिए POCSO अधिनियम, 2012 एवं वृद्धों के लिए प्रधानमंत्री वयो अभ्युदय योजना का मूल संकल्प उन क्षेत्रों एवं वर्गों में न्याय सुनिश्चित करना है जिनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व अल्प है एवं जिनकी जनसंख्या भी न्यून है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय राजनीति में संविधान सभा में कुल 15 महिलाएँ जो कुल सदस्यों का लगभग 5% थी, जिससे बढ़कर आज संसद में महिलाओं की संख्या लगभग 12% एवं राज्य विधायिकाओं में यह संख्या 9% है। ये आँकड़े हमें चौंका सकते हैं क्योंकि महिलाएँ, भारतीय जनसंख्या का लगभग 50% हिस्सा है।

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी को 50% तक बढ़ाया गया है जिसका मूल कारण है आरक्षण किन्तु वहाँ नयी प्रथा सरपंच पति/पिता एवं पुत्र का जन्म हुआ है। अल्पसंख्यकों की संसदीय हिस्सेदारी 5% है जबकि इनकी जनसंख्या लगभग 20%। SC/ST समुदाय को लोकसभा में आरक्षण प्रदान करने के कारण इनकी उपस्थिति उचित मात्रा में है।

न्यायपालिका में भी महिलाओं की हिस्सेदारी अति न्यून है। उपरोक्त आँकड़े हमें आगाह कर रहे हैं कि हमें अपने कदम बढ़ाकर राजनीतिक न्याय की सुनिश्चितता के प्रयास करने चाहिए अन्यथा सबका साथ: सबका विकास का संकल्प धरा का धरा रह जाएगा। यहाँ जयप्रकाश नारायण की यह उक्ति प्रासांगिक है-

"जिन्दा कौमें पाँच साल इन्तजार नहीं करती"

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अल्पविकसित एवं विकासशील देश वैश्विक पटल पर अपनी आवाज सुनाने के लिए प्रयासरत रहते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में एक तरफ शक्तिशाली रूस व चीनी गठबंधन का सहारा है तो दूसरी ओर तुलनात्मक रूप से कमजोर यूक्रेन। यूक्रेन की सहायता एवं न्याय की गुहार कौन लगाएगा?

अफगानिस्तान में तालिबानी सत्ता के बाद से ही महिलाओं पर अत्याचार एवं प्रतिबन्धों में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। उनके मूल-अधिकारों पर कौन सवाल उठायेगा? यहाँ संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था का मौन बहुत खलता है। श्रीलंका में सिविल युद्ध से नागरिकों का प्रतिस्थापन हुआ एवं मूल अधिकारों का विनाश हुआ।

अफ्रीकी देशों में रूस के बढ़ते प्रभाव एवं अमेरिका द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों ने अफ्रीका को सैंडविच बना दिया है। इसमें अफ्रीकी लोगों के अधिकार पिस रहे हैं जिस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। एक सद्भावपूर्ण मित्र देश के रूप में भारत का मूल कर्तव्य है कि वह अफ्रीका को शांत एवं समावेशी बनाए रखने का प्रयास करे।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार 5% भारतीयों के पास कुल सम्पत्ति का 60% संग्रहित है जबकि 50% गरीबों के पास 1% सम्पत्ति भी नहीं है। पूंजीवाद का यह कुप्रभाव व्यक्तियों को अधिकारों के प्रति गैर संवेदनशील बना देता है। व्यक्ति यदि गरीब है तो उसकी चिंता अपना अधिकार बचाना नहीं अपितु अपनी व अपने परिवार की सुरक्षा है।

ऑक्सफैम के अनुसार COVID-19 के दौरान भारत में शीर्ष 10 धनवान लोगों की सम्पत्तियों दोगुनी हो गयी जबकि 160 मिलियन लोग गरीबी में धकेले गये। आपदा में भी अवसर खोजकर अमीरों ने COVID के प्रभावों को बेअसर कर दिया। अंततः सर्वाधिक दुष्प्रभाव गरीबों को झेलना पड़ा।

यदि व्यक्ति अपने अधिकारों की माँग नहीं कर पाता इसका आशय यह कतई नहीं है कि उसे अधिकारों की आवश्यकता नहीं है। एक लोकतांत्रिक सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी लोगों को समान तरीके से व्यवहृत किया जाये एवं सभी को समान अधिकार प्रदान किये जायें।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

बढ़ती तकनीकों के कारण सभी की समान पहुँच इन्टरनेट तक हुई है। भारत में 800 मिलीयन से ज्यादा मोबाइल उपभोक्ता एवं 730 मिलीयन से अधिक इन्टरनेट उपभोगकर्ता है। सूचनाओं तक निम्न पहुँच की समस्या का हल इन्टरनेट ने कर दिया है।

एलन मस्क अपनी स्पेस-एक्स कम्पनी के माध्यम से सम्पूर्ण पृथ्वी पर मुफ्त इन्टरनेट उपलब्ध करवाना चाहते हैं। उनका यह उद्देश्य समाज के निम्नतर स्तर के लोगों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

भारत में अब भी लगभग आधे लोग इन्टरनेट की पहुँच से बाहर हैं जिससे नवीन तकनीकों एवं सेवाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढँग से नहीं हो रहा है। सरकार नेशनल ऑप्टिकल फाईबर नेटवर्क, डिजीटल इंडिया, नेशनल ई-गवर्नेंस प्लान, कॉमन सर्विस सेंटर आदि के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति तक सूचनाएँ पहुँचाने का भरसक प्रयास कर रही है। सुदूर संवेदन के माध्यम से उपग्रहों द्वारा तकनीकों को विस्तार दिया जा रहा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

न्यायमूर्ति पी. एन. भगवती द्वारा लोगों को जनहित याचिका का अधिकार प्रदान क्रांतिकारी साबित हुआ है जिससे लोग किसी अन्य के अधिकारों के हनन पर भी न्यायालय का रुख कर सकते हैं।

अरूणा रॉय द्वारा RTI के लिए उठाये गये कदम ने करोड़ों भारतीयों को प्रशासन में सहभागी बनने का अवसर दिया। अन्ना के # india against corruption जैसे आन्दोलनों का परिणाम भारत में लोकपाल संस्था के रूप में आया।

निजी जीवन में व्यक्ति अपने सिद्धान्तों व मूल्यों के आधार पर सम्बन्ध स्थापित करता है किन्तु हमें अन्य व्यक्ति के विचारों का भी सम्मान करना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में नैतिकता होती हेतु नोलन समिति ने सिद्धान्त प्रकट किये जिनमें नेतृत्व, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही, खुलापन, नि: स्वार्थता, वस्तुनिष्ठता एवं ईमानदारी शामिल हैं। हमारा यह मूल कर्तव्य है कि जो व्यक्ति एवं संस्थाएँ हमारे जीवन से जुड़े हैं उनके लिए स्वतंत्रता, समानता व न्याय की व्यवस्था की जाये ताकि फिर से कोई निर्भया, दिल्ली की सड़कों पर बलात्कार की शिकार ना हो।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

हमारा पर्यावरण के प्रति भी मूल कर्तव्य है जिसे संविधान में अनु. 51(A) के तहत उल्लेखित भी किया गया है। पर्यावरण को हमें अपने नीति-निर्माण का एक आवश्यक हितधारक समझना चाहिए ताकि हमारे विकास कार्य एवं पर्यावरण के मध्य अन्तर्विरोध ना हो।

जीव-जन्तु, पेड़-पौधे, नदियाँ, पहाड़ एवं मानव स्वयं पर्यावरण का अंग हैं। पर्यावरण के बिना मानव का जीवन असंभव है। यदि प्रकृति बोल पाती तो मानव को न्याय के कटघरे में सारा जीवन व्यतीत करना पड़ता। हमने प्रकृति को अपना संसाधन समझकर गैर-जिम्मेदारीपूर्वक दुरुपयोग किया है।

मद्रास उच्च न्यायालय के अनुसार प्रकृति भी एक जीवित जीव है एवं इसके भी मूल अधिकार हैं। हमें पर्यावरण के प्रति जीवनशैली (LiFE) सिद्धान्त का अनुसरण करने की आवश्यकता है ताकि पर्यावरण अनुकूल नीति-निर्माण किया जा सके एवं वैश्विक SDG लक्ष्यों की प्राप्ति हो सके।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

50/125

हमारी LGBTQ समुदाय को सामाजिक पहचान दिलाने की कोशिश हो, निम्न स्तर के समुदायों को समान अवसर व पहुँच उपलब्ध करवाना हो, इन सब के लिए व्यक्ति का जागरूक होना अति आवश्यक है। जागरूकता के अभाव में लोगों को अधिकारों की माँग करने का तरीका एवं साहस दोनों ही नहीं पता होता।

भारतीय समृद्ध संस्कृति सर्वदा से सर्वजन हिताय - सर्वजन सुखाय की रही है जिसमें व्यक्ति को व्यक्ति के साथ ही तौला जाता है उसकी आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं। हमें पूँजीवादी एवं उदारवादी अर्थव्यवस्थाओं का समन्वय स्थापित करते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने का अवसर नहीं खोना चाहिए। कहा जा सकता है -

"क्यों तरकश खाली कर डाला, क्यों म्यानों में तलवार नहीं,
क्यों भयभीत खड़े हो तूफानों से, क्या खुद का खुद पर अधिकार नहीं,
गौण सभी ये मुद्दे होंगे, उठो, चलो और भागो तुम,
सदियों रातों से सुप्त पड़े हो, सुनो सखा अब जागो तुम।"

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(5)

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते, लेकिन आप अपनी आदतें बदल सकते हैं जो निश्चित रूप से आपका भविष्य बदल देंगी।

हाल ही में यू.पी.एस.सी. द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा - 2022 के नतीजे घोषित किये गये जिसमें 900 से अधिक परीक्षार्थी सफल घोषित किये गये। सबकी अपनी मेहनत का फल इस सूची में देखा गया।

एक दिव्यांग अभ्यर्थी सूरज तिवाड़ी ने भी इस सूची में अपनी जगह बनायी। एक दुर्घटना में सूरज ने अपने दोनों पैरों एवं एक हाथ को खो दिया था। उनकी जिन्दगी ने एक ऐसी करवट ली जिससे उनका भविष्य अधर में आ खड़ा हुआ।

सूरज ने इस सबको धता मानकर सिविल सेवा के लिए तैयारी प्रारम्भ की। अपनी आदतों में परिवर्तन, अपनी इच्छाशक्ति एवं मेहनत का परिणाम उन्हें सिविल सेवा में चयन के रूप में मिला। आदतों ने उनका भविष्य निर्धारित कर दिया।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

वाल्मिकी एक डाकू थे जो लोगों को लूटकर अपना जीवन यापन करते थे। वाल्मिकी ने जीवन की किसी घटना के परिणामस्वरूप अपनी आदतें बदल ली एवं वे रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मिकी के रूप में प्रसिद्ध हुए।

इतिहास में ऐसे अनेक थोड़ा एवं महापुरुषों का वर्णन मिलता है जिन्होंने अपनी आदतें बदलकर भविष्य बदल दिया। मर्यादा पुरुषोत्तम राम अपने महल से बाहर निकलकर, जंगलों में 14 वर्ष व्यतीत करके अपने नाम को सार्थक कर पाये।

अशोक ने जब कलिंग विजय की तो वहाँ भारी रक्तपात के कारण अशोक का मन अत्यन्त कुंठित एवं विचलित हो गया जिससे उन्होंने अपनी युद्ध की नीति का त्याग कर धम्म की नीति का पालन किया। लोगों के लिए सराय बनवाए, अस्पताल एवं शिक्षा की व्यवस्था की एवं अपने अफसरों को भी धम्म पालन करने का आग्रह किया। इसी कारण वे अशोक से अशोक महान बन पाये।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

17 वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति के प्रभाव से अब तक जलवायु में विहद् स्तर पर परिवर्तन हुआ है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल ने माना है कि पूर्व-औद्योगिक स्तर से अब तक 0.7°c तापक्रम औसत बढ़ा है। इसके आने वाले संभावित प्रभावों के रूप में - मानवीय आदतों में परिवर्तन, वनाग्नि एवं ध्वनि प्रदूषण को पहचाना गया है।

जलवायु परिवर्तन पर विस्तृत कार्य-योजना बनाने के लिए समय-समय पर CoP की बैठकें होती रहती हैं। इनका उद्देश्य किसी न किसी तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना है ताकि आगामी खतरों से बचा जा सके।

हमें आवश्यकता है कि व्यक्ति के स्तर पर प्रयत्न किया जाये ताकि एक संचयी प्रभाव देखने को मिले। जब तक व्यक्ति की सोच में परिवर्तन नहीं होगा तब तक बेवजह सड़कों पर कारें दौड़ेंगी। अतः व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित करना अति आवश्यक है क्योंकि विश्व के 1% अमीर लोगों द्वारा किया गया उत्सर्जन 50% गरीब लोगों के उत्सर्जन से भी अधिक है। हमें भविष्य यदि सुन्दर बनाना है तो अभी से प्रयत्न करने होंगे

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय समाज में सामाजिक मूल्यों, रीति-रिवाजों एवं त्यौहारों को अत्यधिक मान्यता दी जाती है। हाल ही में शायरा बानो मामले में तीन तलाक से महिलाओं को सुरक्षा प्रदान किया गया। अर्थात् तीन तलाक को अवैध घोषित किया गया। इससे भारतीय मुस्लिम महिलाओं का भविष्य गरिमापूर्ण हो गया।

भारतीय समाज संयुक्त परिवार से निजी परिवारों में परिवर्तित हो रहे हैं। यह वैश्वीकरण एवं औद्योगिकीकरण का संयुक्त प्रभाव है। मनुष्य की आदतों में परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव धरेलू हिंसा, बड़ों के प्रति अनादर एवं बढ़ते वृद्धाश्रम के रूप में देखने को मिलता है।

किताबों की जगह मोबाइल ने ले ली है। 1-2 वर्ष के बच्चे भी मोबाइल की ओर आकृष्ट हो रहे हैं। यदि माता-पिता स्वयं को मोबाइल से दूर रखें तो बच्चे भी इसके प्रति कम आकर्षित होंगे अर्थात् आदत परिवर्तन से बच्चों एवं स्वयं का शारीरिक व मानसिक भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय राजनीति द्वारा लोगों की आदतों में परिवर्तन करके सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आग्रह पर अनेक सुविधासम्पन्न लोगों ने LPG की सब्सिडी छोड़ दी जिसका प्रभाव अन्य लोगों तक सब्सिडी पहुँच एवं न्यून राजकोषीय खर्च के रूप में देखने को मिला।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत लोगों ने अपनी आदतें बदलना प्रारम्भ किया तो 2014-15 में 918 के बजाय 2019-20 में 934 बच्चियाँ, बच्चों की तुलना में जनसंख्या में शामिल हुई।

इसी तरह पूरे देश में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय बनाए गए एवं लोगों को खुले में शौच की आदत बदलने का आग्रह किया गया जिससे अन्ततः स्वच्छता के साथ-साथ बीमारियों में कमी आने लगी एवं लोगों की जेब पर कम भार पड़ा। अर्थात् व्यक्ति की आदतें बदलने पर व्यक्ति के साथ-साथ सम्पूर्ण समाज का भविष्य बदलने में समय नहीं लगा।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में लोगों की राय बदलने एवं आदतों में परिवर्तन का सर्वप्रमुख उदाहरण महात्मा गाँधी के अहिंसा व शांति के सन्देश में मिलता है। नेहरू, नासिर व टीटो के NAM ने शीत युद्ध के समय विश्व की सोच को हिंसा के बजाय अमेरिका व रूस के अतिरिक्त तृतीय विकल्प प्रदान किया।

भारत के पंचशील सिद्धान्तों - अनाक्रमण, परस्पर लाभ व सम्मान आदि से भारत के पड़ोसी राज्यों के साथ भारत के सम्बन्धों में बढ़ोत्तरी हुई। भारत की लुक ईस्ट नीति का उद्देश्य गैर लाभ की भावना से अपने पड़ोसी पूर्वी देशों का सहयोग करना था।

इन सब नीतियों से भारत ने अपने पड़ोसी देशों के प्रति अपनी आदतें बदली। इसी का परिणाम हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में भारत की मजबूत स्थिति है एवं भारत आने वाले वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता रखता है। भारत, ASEAN देशों के साथ मजबूत सम्बन्ध स्थापित करने में कामयाब रहा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बना हुआ है। क्रय शक्ति समता के हिसाब से भारत विश्व की तृतीय सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारतीय किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए भारत सरकार, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना', 'हर खेत पानी', 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' आदि के सहायता से प्रयासरत है।

भारतीय किसान अपने व्यवहार परिवर्तन से कृषि विविधीकरण अपना सकते हैं। हरित क्रांति के द्वारा भी भारतीय किसानों की परम्परागत आन्दोलनकारी आदतों के विपरीत HYV, रासायनिक उर्वरक, सिंचाई आदि के द्वारा आय में वृद्धि सुनिश्चित की गयी।

वाणिज्यिक खेती की ओर प्रस्थान एवं प्राथमिक से द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों की ओर प्रस्थान से आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन मिल सकता है। मतलब साफ है व्यवहार व आदतों का परिवर्तन ही अन्ततः भविष्य में परिवर्तन लेकर आयेगा।

निष्कर्ष भी काफी ठीक है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

UPI, NPCI का एक क्रान्तिकारी कदम है जिसने भारतीय पेमेंट सिस्टम को आमूलचूल परिवर्तित कर दिया है। लोगों ने परम्परागत बैंकिंग सिस्टम से इतर UPI के माध्यम से भुगतान को अपनी आदत बना लिया है जिसका प्रभाव उनके दैनिक जीवन में पड़ा है।

भारत सरकार भी DBT के माध्यम से सब्सिडी प्रत्यक्ष हस्तांतरित कर रही है जिसके प्रभावी भी दृष्टिगत हो रहे हैं एवं आम जनता का भविष्य सकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है।

सोशल मीडिया की पहुँच सुदूर गाँव तक हो गयी है। लोग बातचीत के लिए परम्परागत प्रचार व्यवहार करते हैं। समस्या समाधान हेतु भी ऑनलाईन तकनीकें अपनायी जा रही हैं जैसे - CPGRAM पोर्टल। व्यक्ति के आदत परिवर्तन का प्रभाव भविष्य निर्माण पर अवश्य पड़ा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मानव अपनी आदतों में पर्यावरण-केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाकर पर्यावरण को बचाने की कोशिश कर रहा है ताकि प्रकृति के प्रति स्वयं का उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं संरक्षित पर्यावरण उपलब्ध हो।

मानव-पर्यावरण सह-अस्तित्व कोई नया नहीं है। जनजातियाँ एवं वनवासी प्रारम्भ से वनों में रहते आये हैं। जैसे - बिश्नोई समाज द्वारा पर्यावरण को बचाने की कोशिश, गंधामर्धन मूवमेंट (उड़ीसा), अप्पिको आन्दोलन व चिपको आन्दोलन आदि।

'रिचर्ड थेलर' के अनुसार 'नज सिद्धान्त' अपनाकर हम प्रकृति में अपना अत्यधिक योगदान दे सकते हैं। नज सिद्धान्त व्यक्ति के सामान्य व्यवहार परिवर्तन जैसे - कूड़े को कचरे में डालना, पर बल देता है जिससे अन्तत: भविष्य ही सुरक्षित होता है एवं संधारणीय विकास की संकल्पना साकार होती है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

उमाकान्त उमराव, IAS के ट्रेवास मॉडल का मूल उद्देश्य लोगों के व्यवहार में परिवर्तन से जल के स्तर में वृद्धि करना रहा जिसमें वे अन्ततः सफल हुए। रीजा राजेश्वरी के प्रयास से अनेक लड़कियाँ बाल वधूएँ बनने से रोकी गयी एवं लोगों ने अपने व्यवहार में परिवर्तन किया।

सामान्य नैतिक सिद्धान्तों जैसे- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, नैतिकता आदि को अपनाकर भी व्यक्ति अपना भविष्य बदल सकता है किन्तु इन सबकी पूर्व शर्त भी व्यवहार एवं आदतें परिवर्तन ही है।

भौतिकता एवं आर्थिकता के इस युग में मूल्य ह्रास के कारण व्यक्ति का सम्पूर्ण ध्यान अत्यधिक धनार्जन पर है। यदि हमें आत्मसंतुष्टि एवं आत्मिक शांति प्राप्त करनी है तो हमें अपनी आदतें नैतिक मूल्यों के अनुसार बदलनी होंगी, अपनी अभिवृत्ति में सकारात्मक परिवर्तन करने होंगे, अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग स्वयं एवं लोगों के विकास हेतु करना होगा।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

हमारी कहानी के नायक सूरज तिवाड़ी ने यदि प्रकृति की पीड़ा समझकर हार मान ली होती तो उनका भविष्य कदापि नहीं बदलता एवं वे समाज में हमेशा एक बोझ के रूप में ही देखे जाते।

60/125

अपनी आदत परिवर्तन से व्यक्ति अपना समय बदल सकता है। हमें आवश्यकता है तो इस बात की कि सही आदतों को पहचाना जाये, सही व्यवहार को अमल में लाया जाये। इससे न केवल स्वयं बल्कि, समाज, देश की भी उन्नति होती है। भारतीय प्रधानमंत्री ने अपने हाल के अमेरिका दौरे के दौरान कहा था कि -

"हम साथ मिलकर दुनिया को एक बेहतर भविष्य देंगे और भविष्य को एक बेहतर दुनिया।"